DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

22 March, 2024

आरबीआई की विनियमित संस्थाएँ

संदर्भ: *हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अपनी विनियमित संस्थाओं (RE) के लिए स्व-नियामक संगठनों (SROs) को मान्यता देने के लिए सर्वव्यापी ढांचे के पूरा होने की घोषणा की है।*

प्रावधान:

1. फिन-टेक जैसी विनियमित संस्थाओं (आरई) के प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग एसआरओ होंगे।
2. ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने के बाद आरबीआई एसआरओ का दर्जा चाहने वाली संस्थाओं से आवेदन स्वीकार करेगा।
3. आरई की वृद्धि, साथ ही नवीन प्रौद्योगिकियों को अपनाने और ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने के कारण स्व-नियमन के लिए बेहतर उद्योग मानकों की आवश्यकता महसूस की गई।
4. सर्वव्यापी ढांचा; उद्देश्यों, जिम्मेदारियों, पात्रता मानदंडों, शासन मानकों और एसआरओ मान्यता के लिए आवेदन प्रक्रिया को रेखांकित करता है।
5. एसआरओ की संख्या और सदस्यता मानदंडों जैसे क्षेत्र-विशिष्ट दिशानिर्देश, प्रत्येक क्षेत्र के लिए रिजर्व बैंक के संबंधित विभागों द्वारा अलग से जारी किए जाएंगे।
6. एसआरओ से अपेक्षा की जाती है, कि वह नियामक अनुपालन को बढ़ाने और सतत क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए नियामक निगरानी के तहत विश्वसनीयता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ काम करे।

RBI द्वारा विनियमन

➢ **विनियामक विकास:**
- बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 RBI को वाणिज्यिक बैंकों का निरीक्षण और पर्यवेक्षण करने का अधिकार देता है।
- आरम्भ में, बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग (DBOD) विनियामक और पर्यवेक्षी दोनों कार्यों का संचालन करता था।
- उसके बाद 1993 में, वाणिज्यिक बैंक पर्यवेक्षण की देखरेख के लिए बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग (DBS) की स्थापना की गई, जिसके परिणामस्वरूप 1994 में वित्तीय पर्यवेक्षण बोर्ड (BFS) का निर्माण हुआ।
- तत्पश्चात अगस्त 1997 में, पर्यवेक्षण विभाग केंद्रित निरीक्षण के लिए DBS और गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग (DNBS) में विभाजित हो गया।

➢ **ऑन-साइट निरीक्षण:**
- बैंकों के वार्षिक ऑन-साइट निरीक्षण में मुख्य कार्यालय, नियंत्रक कार्यालय और विशिष्ट शाखाएँ शामिल होती हैं, ताकि अग्रिमों का पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित किया जा सके।
- निरीक्षण CAMELS मॉडल (पूंजी पर्याप्तता, परिसंपत्ति गुणवत्ता, प्रबंधन, आय, तरलता और प्रणाली और नियंत्रण) के आधार पर सॉल्वेंसी, लिक्विडिटी और परिचालन स्वास्थ्य पर केंद्रित है।

➢ **ऑफ-साइट निगरानी:**
- 1995 में आरंभ किये गए, ऑफ-साइट निगरानी ऑन-साइट निरीक्षणों के बीच बैंकों के वित्तीय स्वास्थ्य की निगरानी करती है, संभावित पर्यवेक्षी कारकों की पहचान करती है।
- आवधिक ऑफ-साइट रिटर्न परिसंपत्ति-देयता प्रबंधन, लिक्विडिटी और ब्याज दर जोखिम को चिन्हित करते हैं।

➢ **कॉर्पोरेट प्रशासन:**
- कॉरपोरेट प्रशासन का कार्य समवर्ती लेखा परीक्षा प्रणाली, स्वतंत्र लेखा परीक्षा समितियाँ और बैंक बोर्ड में RBI के नामिती की नियुक्ति सहित विभिन्न उपायों के माध्यम से प्रशासन को मजबूत करना है।
- वार्षिक वित्तीय निरीक्षणों के दौरान आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों पर जिलानी समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन की निगरानी की जाती है।

➢ **पर्यवेक्षी पहल:**
- तिमाही निगरानी परीक्षण, निगरानी अधिकारियों की नियुक्ति और समस्या क्षेत्रों की प्रत्यक्ष निगरानी पर्यवेक्षी प्रभावशीलता को बढ़ाती है।
- यह विभाग BFS को सचिवीय सहायता प्रदान करता है, लेखा परीक्षकों की नियुक्तियां करता है, शिकायतों का निपटारा करता है तथा धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी करता है।

➢ **मुख्य सिद्धांतों का कार्यान्वयन**
- बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) द्वारा उल्लिखित प्रभावी बैंकिंग पर्यवेक्षण के 25 मुख्य सिद्धांतों के साथ विनियामक और पर्यवेक्षी प्रथाओं को संरेखित करने के प्रयास चल रहे हैं।

➢ **वित्तीय संस्थाओं (FI) पर पर्यवेक्षण:**
- वर्ष 1994 में RBI द्वारा FI को विवेकपूर्ण विनियमन के अधीन लाया गया था।
- वित्तीय संस्थाओं को विनियमित करने के लिए CAMELS दृष्टिकोण को लागू किया जाता है, जिसमें उनकी विकासात्मक और पर्यवेक्षी भूमिकाओं पर विचार किया जाता है।
- एक समर्पित प्रभाग दस अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं की देखरेख करता है, जो निरंतर निगरानी के लिए एक ऑफ-साइट निगरानी प्रणाली को लागू करता है।

किशोर अज्ञातहेतुक गठिया या जुवेनाइल इडियोपैथिक गठिया (JIA)

संदर्भ: *18 मार्च को एक और विश्व युवा आमवाती रोग दिवस (WORD DAY) के दौरान, विशेषज्ञों ने युवाओं में आमवाती रोगों के शीघ्र निदान के लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया है।*

➢ **JIA को समझना:**
- JIA एक प्रकार के ऑटोइम्यून या ऑटोइन्फ्लेमेटरी रोग हैं, जहाँ प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों, विशेष रूप से जोड़ों के आस-पास के सिनोवियम को प्रभावित करती है।
- इसके लक्षणों में जोड़ों में दर्द, अकड़न, लालिमा, सूजन, थकान, धुंधली दृष्टि, दाने और तेज़ बुखार आदि शामिल हैं।
- शोधकर्ताओं का मानना है, कि आनुवंशिकी और वायरस या बैक्टीरिया जैसे बाह्य कारक JIA की पहचान कर सकते हैं, लेकिन खाद्य पदार्थों, विषाक्त पदार्थों, एलर्जी या विटामिन की कमी को बीमारी से इसे सन्दर्भित करने का अब तक कोई सबूत नहीं मिल पाया है।

➢ **JIA के प्रकार और लक्षण:**
- **ओलिगोआर्थराइटिस:** यह चार या उससे कम जोड़ों को प्रभावित करता है, इसे आमतौर पर घुटनों और टखनों जैसे बड़े जोड़ों में देखा जा सकता है।
- **पॉलीआर्थराइटिस:** यह पाँच या उससे अधिक जोड़ों को प्रभावित करता है, अक्सर शरीर के दोनों तरफ इसके विशिष्ट लक्षण देखे जा सकते हैं।
- **प्रणालीगत/सिस्टमेटिक:** पूरे शरीर को प्रभावित करता है, जिसमें तेज़ बुखार और दाने होते हैं।
- **सोरियाटिक गठिया (PsA):** इसमें पपड़ीदार दाने के साथ जोड़ों में दर्द के लक्षण देखे जा सकते हैं।
- **एन्थेसाइटिस-संबंधी:** मांसपेशियों, स्नायुबंधन या टेंडन को हड्डी से जोड़ने वाली जगह को प्रभावित करता है, जो लड़कों में अधिक आम है।
- **अविभेदित:** इसमें किसी भी प्रकार के लक्षण पूरी तरह से संरेखित नहीं होते हैं, लेकिन जोड़ों में सूजन मौजूद होती है।

➢ **शरीर पर प्रभाव:**
- आंखें, हड्डियां, मुंह/जबड़ा, गर्दन, टखने/पैर, त्वचा, फेफड़े, हृदय, पाचन तंत्र, प्रजनन अंग और वजन JIA से प्रभावित हो सकते हैं। इन स्वास्थ्य प्रभावों से होने वाले नुकसान और जटिलताओं को रोकने के लिए सूजन को नियंत्रित करना आवश्यक है।

➢ **चिकित्सा मूल्यांकन:**
- इस बीमारी का चिकित्सा इतिहास कई बातों को समझने में मदद करता है, जबकि शारीरिक परीक्षण जोड़ों की कोमलता, सूजन और गतिविधियों की जांच करता है।
- ईएसआर, सीआरपी, एएनए, आरएफ, एचएलए-बी 27 टाइपिंग और सीबीसी जैसे रक्त परीक्षण, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई या सीटी स्कैन जैसे इमेजिंग परीक्षण इस रोग के निदान में सहायता करते हैं।

➢ **उपचार लक्ष्य:**
- इस रोग के उपचार का उद्देश्य सूजन को कम करना या रोकना, दर्द से राहत देना, जोड़ों और अंगों को होने वाली क्षति को रोकना, जोड़ों के कार्य और गतिशीलता को बनाए रखना, दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को कम करना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **उपचार दृष्टिकोण:**

- इसका उपचार रोग के प्रकार और गंभीरता के आधार पर भिन्न होता है, जिसमें दवा, पूरक उपचार और स्वस्थ जीवनशैली की आदतें शामिल हैं। हालांकि रोग नियंत्रण के लिए प्रारंभिक आक्रामक उपचार महत्वपूर्ण है।

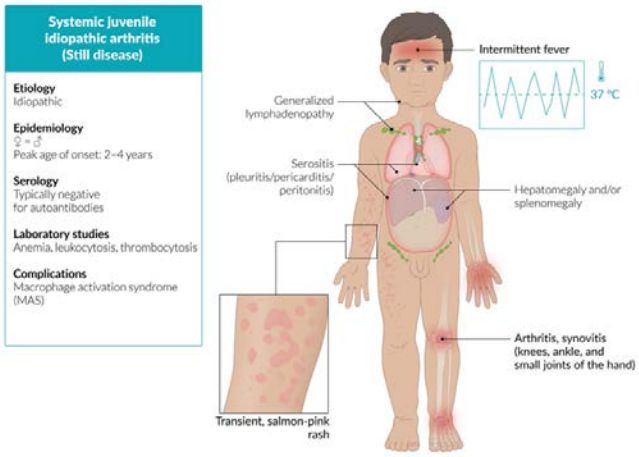

कार्बन कैप्चर प्लांट

- ***संदर्भ:*** *IPCC ने पाया कि कार्बन कैप्चर और स्टोरेज (CCS) ऊर्जा और उद्योग दोनों क्षेत्रों में शुद्ध उत्सर्जन में कमी लाने के लिए सबसे अधिक लागत और सबसे कम क्षमता प्रदर्शित करता है।*

➢ **सीसीएस अवलोकन और जलवायु लक्ष्य:**

- जलवायु परिवर्तन को कम करने के उद्देश्य से सीसीएस तकनीक दुनिया भर में प्रसिद्धि प्राप्त कर रही है।
- सभी देश अपने जलवायु लक्ष्यों में सीसीएस को शामिल कर रहे हैं, जैसा कि यूरोपीय संघ द्वारा अपने 2040 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीसीएस को निर्भरता के रूप में हाल ही में शामिल करने से स्पष्ट है।

➢ **सीसीएस परियोजनाओं में चुनौतियाँ और विफलताएँ:**

- हाल के विश्लेषणों से कई सीसीएस परियोजनाओं में विभिन्न प्रकार की चुनौतियों और विफलताओं का पता चला है।
- व्यापक सिफारिश के बावजूद, सीसीएस परियोजनाएँ अक्सर अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहती हैं।
- प्रत्याशित प्रभावशीलता और वास्तविक प्रदर्शन के बीच यह विसंगति सीसीएस कार्यान्वयन की जटिलता और अनिश्चितताओं को उजागर करती है।

➢ **सीसीएस की तकनीकी और वित्तीय बाधाएँ:**

- तकनीकी बाधाएँ, जैसे कि वांछित CO_2 कैप्चर दर प्राप्त करना, सीसीएस के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं।
- वित्तीय रूप से, सीसीएस में पर्याप्त पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है और बिजली की लागत बढ़ जाती है।
- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि सीसीएस के लिए आवश्यक कुल वार्षिक पूंजी $655-1,280 बिलियन के बीच होगी।

➢ **सीसीएस का आईपीसीसी मूल्यांकन:**

- जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) सीसीएस को जलवायु शमन के लिए एक संभावित समाधान के रूप में मान्यता देता है।
- हालाँकि, आईपीसीसी ने सीसीएस की उच्च लागत और शुद्ध उत्सर्जन में कमी, विशेष रूप से ऊर्जा और उद्योग क्षेत्रों में सीमित योगदान को भी चिन्हित किया है।
- भूवैज्ञानिक भंडारण उपलब्धता, तकनीकी, आर्थिक, संस्थागत और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के साथ, सीसीएस कार्यान्वयन को और जटिल बनाती है।

➢ **सीसीएस में तेल और गैस उद्योगों की भूमिका:**

- तेल और गैस उद्योग ने, ऐतिहासिक रूप से सीसीएस के लिए व्यावसायिक मामले की कमी के बावजूद, अपना समर्थन दिखाया है।
- सरकारी सब्सिडी, जैसे कि 2022 का यूएस मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम, सीसीएस परियोजनाओं को प्रोत्साहित करता है, विशेष रूप से संवर्धित तेल वसूली (ईओआर) के लिए।
- कैप्चर किए गए CO_2 का लगभग 73% ईओआर के लिए उपयोग किया जाता है, जो सीसीएस कार्यान्वयन के लिए उद्योग के लाभ-संचालित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

➢ **मुश्किल से कम किए जाने वाले क्षेत्रों में व्यवहार्यता:**

- सीसीएस को स्टील और सीमेंट जैसे मुश्किल से कार्बन कम किए जाने वाले क्षेत्रों में औचित्य मिल सकता है, जो जीवाश्म ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर हैं।
- ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन का अनुमान है, कि सीसीएस से 2050 तक सीमेंट क्षेत्र में 36% कार्बन उत्सर्जन में कमी आ सकती है।
- संभावित लाभों के बावजूद, इन क्षेत्रों में सीसीएस का वर्तमान उपयोग वहनीयता और वैकल्पिक समाधानों की खोज के कारण न्यूनतम बना हुआ है।

➢ **सीसीएस की वर्तमान स्थिति और भविष्य का दृष्टिकोण:**

- मौजूदा सीसीएस संयंत्र अक्सर कम क्षमताओं का प्रदर्शन करते हैं और वैकल्पिक शमन रणनीतियों की तुलना में महंगे हैं।
- विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, सी.सी.एस. को सभी देशों और कंपनियों द्वारा जलवायु शमन योजनाओं में शामिल किया जाना जारी है।
- हालांकि, एक जोखिम यह है कि सी.सी.एस. के लिए तेजी से बढ़ते अनुमान अधिक किफायती और प्रभावी डीकार्बोनाइजेशन प्रौद्योगिकियों से निवेश को हटा सकते हैं।

➢ **सीसीएस के निहितार्थ और पुनर्मूल्यांकन:**

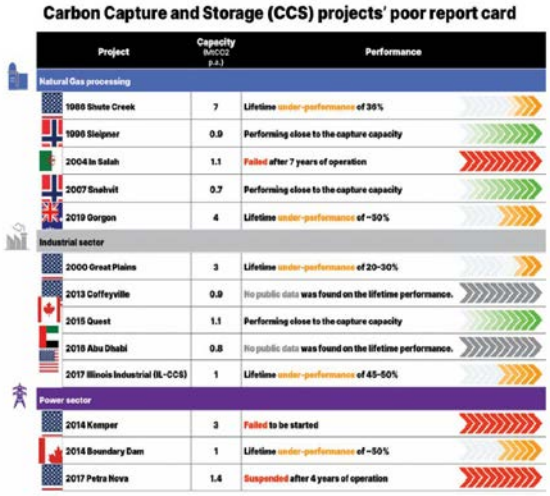

- जलवायु योजनाओं में सीसीएस की निरंतरता जलवायु कार्रवाई में इसकी भूमिका का गंभीर पुनर्मूल्यांकन करने की मांग करती है।
- यह आकलन करना महत्वपूर्ण है कि क्या सीसीएस के लाभ इसके कार्यान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण निवेशों और संभावित कमियों को उचित ठहराते हैं।
- कुशल और स्थायी जलवायु शमन प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक, अधिक प्रभावी डीकार्बोनाइजेशन प्रौद्योगिकियों पर सावधानीपूर्वक विचार करना आवश्यक है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

22 March, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

शंघाई सहयोग संगठन

हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) स्टार्टअप फोरम के चौथे संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में किया गया।

शंघाई सहयोग संगठन के बारे में:

- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक अंतरसरकारी संगठन है जो सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है।
- इसका उद्देश्य आतंकवाद से निपटना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और अधिक लोकतांत्रिक और निष्पक्ष वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ना है।
- इसकी स्थापना 2001 में हुई थी और इसमें आठ सदस्य देश शामिल हैं: चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान जबकि ईरान जुलाई 2023 में समूह में शामिल हुआ।
- इसमें तीन परिषदें हैं जिनमें सरकार के प्रमुखों की परिषद, राज्य के प्रमुखों की परिषद और विदेश मामलों के मंत्रियों की परिषद शामिल है।
- इसने यूनेस्को, यूएनडब्ल्यूटीओ, आईओएम, यूएनओडीसी, ईएससीएपी और यूएनओसीटी सहित विभिन्न संयुक्त राष्ट्र निकायों के साथ सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने श्रीलंका के साथ 337 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज के लिए कर्मचारी स्तर का समझौता किया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में की गई थी।
- वर्तमान में इसमें 190 सदस्य देश शामिल हैं।
- यह भुगतान संतुलन की समस्याओं का सामना कर रहे सदस्य देशों को विशेष रूप से आर्थिक सुधार की शर्तों के साथ वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- इसने 1997 के एशियाई वित्तीय संकट और 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट सहित विभिन्न वैश्विक आर्थिक संकटों का जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इसका मुख्यालय वाशिंगटन, डी.सी. में है।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का संस्थापक सदस्य है।

अरलम वन्यजीव अभयारण्य

हाल ही में, कन्नूर वन प्रभाग, अरलम वन्यजीव अभयारण्य के 60 कर्मियों की एक टीम ने लगभग दो वर्षीय बाघ को पकड़ लिया जिसने कन्नूर के केलाकम में अडक्कथोडु में जंगल के किनारे के निवासियों में भय का वातावरण निर्मित कर दिया था।

अरलम वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:

- अरलम वन्यजीव अभयारण्य केरल में एक अभयारण्य है, जो पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढलान पर स्थित है।
- इसकी स्थापना 1984 में हुई थी और यह राज्य का सबसे उत्तरी वन्यजीव अभयारण्य है।
- इसकी सीमा कर्नाटक में ब्रह्मगिरि वन्यजीव अभयारण्य, कूर्ग के जंगलों, वायनाड के उत्तरी ढलानों और चीनकन्नी नदी से लगती है।
- अभयारण्य की सबसे ऊंची चोटी कट्टी बेट्टा है।
- वनस्पति: सिनामोमम ज़ेलेनिकम, होपिया परविफ्लोरा, लार्जस्ट्रोमिया लांसोलाटा, जाइलिया जाइलोकार्पा, मैलोटस और फिलीपिनेंसिस यहाँ पाए जाते हैं।
- जीव-जंतु: सामान्य जीवों में हिरण, सूअर, हाथी, बाइसन, तेंदुआ, जंगली बिल्ली और विभिन्न गिलहरियाँ शामिल हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के साथ ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षी आबादी के संरक्षण और सुरक्षा को संतुलित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के बारे में:

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (आर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स) भारतीय उपमहाद्वीप का स्थनिक है जो आकार में एक बड़ा, स्थलीय पक्षी है।
- यह दुनिया के सबसे भारी उड़ने वाले पक्षियों में से एक है और इसे कई नामों से जाना जाता है, जिनमें मालधोक, येरभूत, घोराद और गोडावन शामिल हैं।
- यह मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में शुष्क घास के मैदानों और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में निवास करता है।
- उनके सिर पर भूरे पंख और विशिष्ट काले मुकुट पंख होते हैं।
- गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में उच्च-शक्ति वाली ओवरहेड विद्युत लाइनों से बार-बार टकराना इसकी मृत्यु का एक महत्वपूर्ण कारण है।
- भारत जैविक विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी) और प्रवासी प्रजातियों पर कन्वेंशन (सीएमएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों का हस्ताक्षरकर्ता है, जिसमें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण की प्रतिबद्धता शामिल है।
- IUCN के अनुसार ग्रेट इंडियन बस्टर्ड गंभीर रूप से संकटग्रस्त है और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के तहत संरक्षित है।

ध्वनि लेजर

हाल ही में, चीन के वैज्ञानिकों ने एक अभूतपूर्व चमकीला ध्वनि लेजर बनाया है जो प्रकाश के बजाय ध्वनि के कणों को शूट करता है।

साउंड लेजर के बारे में:

- ध्वनि लेज़र एक पारंपरिक प्रकाश लेज़र के समान है, जो लेज़रों में प्रकाश के प्रवर्धन के समान, विकिरण के उत्तेजित उत्सर्जन (एसएएसईआर) द्वारा ध्वनि प्रवर्धन के सिद्धांतों का उपयोग करता है।
- SASER तकनीक पहली बार 2009 में विकसित की गई थी, जो ध्वनिकी और ध्वनि फेरबदल के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध हुई।
- यह एक नई लेजर तकनीक है जो सिलिका बीड को ऊपर उठाने और फोनन बनाने के लिए दो प्रकाश किरणों का उपयोग करती है, जो ध्वनि के कण-जैसे टुकड़े होते हैं।
- यह उत्तोलन प्रवर्धित फोनन के उत्पादन की ओर ले जाता है, जिससे ध्वनि लेजर किरण बनती है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

मोज़ाम्बिक

आईएनएस तीर और आईएनएस सुजाता 21 मार्च से 29 मार्च, 2024 तक भारत मोज़ाम्बिक तंजानिया (आईएमटी) ट्राई लेटरल (ट्रिलैट) अभ्यास के दूसरे संस्करण में भाग लेंगे।

मोज़ाम्बिक (राजधानी: मापुटो)

अवस्थिति : मोज़ाम्बिक दक्षिणपूर्वी अफ्रीका में, दक्षिणी अफ्रीका के पूर्वी तट पर और मोज़ाम्बिक चैनल के किनारे स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: मोज़ाम्बिक की सीमाएँ हिंद महासागर (पूर्व), ज़िम्बाब्वे (पश्चिम), तंजानिया (उत्तर), मलावी और ज़ाम्बिया (उत्तर-पश्चिम) और इस्वातिनी और दक्षिण अफ्रीका (दक्षिण-पश्चिम) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- मोज़ाम्बिक का सबसे ऊँचा स्थान माउंट बिंगा है, जो ज़िम्बाब्वे की सीमा पर चिमनिमनी पर्वत में स्थित है।
- मोज़ाम्बिक की प्रमुख नदियों में ज़ाम्बेज़ी, लिम्पोपो, सेव और रोवुमा नदियाँ शामिल हैं।
- देश में कई पर्वत श्रृंखलाएँ हैं, जिनमें पूर्व में चिमनिमानी पर्वत और मध्य क्षेत्र में चिमोइओ पठार शामिल हैं।
- देश कोयला, प्राकृतिक गैस, टाइटेनियम और पनबिजली क्षमता सहित प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है।
- औपनिवेशिक इतिहास: मोज़ाम्बिक 15वीं शताब्दी के अंत में पुर्तगाल द्वारा उपनिवेशित किया गया था और 1975 में स्वतंत्रता प्राप्त की।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस संगठन को शोधकर्ताओं ने केरल तट पर गहरे समुद्र में आइसोपॉड की एक नई प्रजाति के नामकरण से सम्मानित किया?
  -भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित विश्व खुशहाली रिपोर्ट के अनुसार, किस देश ने लगातार सातवें वर्ष दुनिया के सबसे खुशहाल देश का खिताब जीता है?
  -फ़िनलैंड
- पुर्तगाल में वैज्ञानिकों के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, लगभग 20 मिलियन वर्षों में जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के नीचे कौन सी भूवैज्ञानिक घटना घटित होने की भविष्यवाणी की गई है?
  -रिंग ऑफ फायर का सबडक्शन जोन
- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की किस धारा के तहत लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किए जाते हैं?
  -धारा 33
- एनवीडिया ने हाल ही में किस पहल की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास में क्रांति लाना है?
  -प्रोजेक्ट GR00T